EDITOR'S SCATVIEW

Manoj Kumar Madhavan

2021 should be the harbinger of positive and prosperous tidings for the Scat, IPTV, Broadband segment. I want to begin the 'New Year' on a positive note!

The slew of future line-up of technologies like the rollout of 5G in 2021 and the broadband expansion should bring some kind of transformation to propel growth and investment in this sector. The Govt's move towards creating a draft national broadcast policy is a welcome move and should be applauded. This augurs well for the growth of the industry. Similarly, there are a lot of issues which the Govt needs to address: like for instance on how the role of TRAI can be revamped and how TRAI can reinvent its role and play the role of a facilitator/ enabler to help spur growth in the broadcast industry. Broadcasters have very vocally spoken out and urged TRAI to end its jurisdiction over TV channels with regards to pricing, bundling and other issues.

Talking about the I&B ministry, Amit Khare, Secretary of Information & Broadcasting recently said the role of the government in this sector is mostly that of facilitator. The Govt has only a budget of around ₹ 4,000 crore for the I&B segment. And this ministry is the smallest in terms of budget, but largest in influence and that influence comes mostly through the private sector. This industry has grown till now without much Govt support and truly due to the entrepreneurial spirit displayed by the entrepreneurs driving the business in this segment.

The new policy on DTH announced by the Govt allows 100% FDI and increases the license span for 20 years. This will provide stability and certainty to the sector. Recently the Govt amended the Government of India (Allocation of Business) Rules, 1961, and brought streaming video services such as Netflix, Amazon Prime and Hotstar, and news websites under the ambit of the ministry of information and broadcasting (I&B). This move will ensure that the OTT platforms will be put on a tight leash and the industry will have some regulatory framework sooner or later.

All in all, we hope 2021 should usher some major changes in this sector which will propel growth. ***I take this opportunity to wish all our readers a very happy and prosperous 2021.***

(Manoj Kumar Madhavan)

2021 *स्कैट, आईपीटीवी व ब्रॉडबैंड खंड के लिए सकारात्मक व समृद्ध खबर का अग्रदूत होना चाहिए। मैं एक सकारात्मक नोट पर नया साल शुरू करना चाहता है!*

2021 *में* ***5****जी की लाइन अप प्रस्तुतिकरण और ब्रॉडबैंड विस्तार जैसी टेक्नोलॉजी की भविष्य की अनेक लाइनआप इस क्षेत्र में विकास और निवेश को बढ़ाने के लिए किसी तरह का परिवर्तन लाना चाहिए। राष्ट्रीय प्रसारण नीति का मसौदा तैयार करने की दिशा में सरकार का कदम एक स्वागत योग्य कदम है और इसकी सराहना की जानी चाहिए। यह उद्योग के विकास के लिए काफी अच्छा है। इसी तरह, बहुत सारे मुद्दे हैं जिन्हें सरकार को संबोधित करने की आवश्यकता है, जैसे ट्राई की भूमिका में कैसे सुधार किया जा सकता है और ट्राई अपनी भूमिका को कैसे सुदृढ कर सकता है और प्रसारण उद्योग में विकास को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए एक सूत्रधार/प्रर्वतक की भूमिका निभाये। प्रसारकों ने बहुत ही मुखरता से बात की है और ट्राई से आग्रह किया है कि वह मूल्य निर्धारण, बंडलिंग और अन्य मुद्दों के संबंध में टीवी चैनलों पर अपना अधिकार क्षेत्र समाप्त करे।*

सूचना व प्रसारण मंत्रालय के सचिव अमित खरे ने हालही में कहा कि इस क्षेत्र में सरकार की भूमिका ज्यादातर सुविधा प्रदायक की है। सरकार के पास आईएंडवी खंड के लिए सिर्फ लगभग ***4000*** *करोड़ रुपये का बजट है। हालांकि यह मंत्रालय, बजट के मामले में सबसे छोटा है लेकिन प्रभाव में सबसे बड़ा है और यह प्रभाव ज्यादातर निजी क्षेत्र के माध्यम से आता है। यह उद्योग अब तक बहुत अधिक सरकारी समर्थन के बिना विकसित हुआ है और सही मायने में इस क्षेत्र में व्यवसाय चलाने वाले उद्यमियों द्वारा प्रदर्शित की गयी उद्यमशीलता की भावना के कारण है।*

सरकार द्वारा घोषित डीटीएच पर नयी नीति ***100%*** *एफडीआई की अनुमति देती है और* ***20*** *वर्षों के लिए लाइसेंस अवधि बढ़ाती है। यह क्षेत्र को स्थिरता और निश्चतता प्रदान करेगा। हाल ही में, सरकार ने भारत सरकार (व्यापार का आवंटन) नियम,* ***1961*** *में संशोधन किया और सूचना व प्रसारण मंत्रालय (आईएंडवी) के दायरे में नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम, हॉटस्टार और समाचर वेवसाइटों जैसी स्ट्रीमिंग वीडियो सेवाओं को लाया है। इस कदम से यह सुनिश्चित होगा कि ओटीटी प्लेटफार्मों पर किसी हद तक नजर रखी जायेगी और आज या कल उद्योग में किसी तरह का नियामक फ्रेमवर्क देखने को मिलेगा।*

कुल मिलाकर हम आशा करते हैं कि ***2021*** *को इस क्षेत्र में कुछ बड़े बदलावों की शुरूआत करनी चाहिए जो विकास को बढ़ावा देगी।* ***मैं इस अवसर पर अपने सभी पाठकों को सुखद व समृद्ध 2021 की शुभकामनायें देता हूं।***

(Manoj Kumar Madhavan)